

होने वाला उपमान 4. घी-तेल निकालने की कलछी, चम्मच।

**परीक्षक** पुं. (तत्.) 1. परीक्षा लेने वाला, जाँच या समीक्षा करने वाला, परखने वाला, इम्तहान लेने वाला 2. किसी के गुण, योग्यता आदि का परीक्षण करने वाला अधिकारी 3. जाँच-पड़ताल करने वाला, मुआयना करने वाला, निरीक्षक।

**परीक्षण** पुं. (तत्.) 1. परीक्षा-कार्य, परीक्षा की क्रिया, जाँच-पड़ताल, देखभाल 2. निरीक्षण करना, समीक्षण करना, आलोचना करना 3. विज्ञान आदि क्षेत्रों में नए प्रयोग करना, किसी विशिष्ट पद्धति, प्रक्रिया या रीति से किसी वस्तु के वास्तविक गुणों की परख करना 4. अदालत या न्यायालय में किसी व्यक्ति, साक्षी या अपराधी से वस्तु-स्थिति जानने के लिए उससे पड़ताल या जाँच करना 5. किसी व्यक्ति एवं उसके किसी पद-विशेष पर नियुक्ति के पश्चात योग्यता एवं उसके सामर्थ्य के संदर्भ में परखना।

**परीक्षना** पुं. (तद्.) परीक्षा करना या परीक्षा लेना।

**परीक्षा स्त्री.** (तत्.) 1. किसी के गुण-दोषों, योग्यताओं, क्षमताओं तथा शक्तियों की परख, जाँच अथवा अनुमान हेतु समीक्षा करना 2. विद्यार्थी या उम्मीदवारों की योग्यता की लिखित या मौखिक जाँच करना 3. किसी वस्तु या कठिनाई आदि के संदर्भ में किसी विशेष बात को निश्चित करने हेतु की गई या की जाने वाली आजमाइश 4. मुआयना, निरीक्षण 5. वस्तु या व्यक्ति के निर्दिष्ट अथवा ज्ञात गुणों-विशेषताओं की प्रामाणिकता जाँचना 6. किसी अभियुक्त अथवा अपराधी के अपराध या निर्दोष होने की स्थिति के साक्ष्य जुटाने की क्रिया।

**परीक्षा-भवन** पुं. (तत्.) 1. वह कमरा, कक्ष या स्थान जहाँ परीक्षार्थियों को परीक्षा हेतु बैठाया जाता है, परीक्षा देने का स्थान 2. दे. परीक्षालय।

**परीक्षार्थ अव्य.** (तत्.) परीक्षा के लिए, परीक्षा के निमित्त, परीक्षा के उद्देश्य से।

**परीक्षार्थी** पुं. (तत्.) 1. परीक्षा देने वाला, जिसकी परीक्षा ली जा रही हो 2. विद्यार्थी, जो विद्या

अध्ययन के पश्चात परीक्षा देता है, परीक्षा में बैठता है।

**परीक्षालय** पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ परीक्षा ली जाती है, परीक्षा-कक्ष या परीक्षा-भवन।

**परीक्षा शुल्क** पुं. (तत्.) परीक्षा हेतु लिया जाने वाला धन या राशि।

**परीक्षित** वि. (तत्.) 1. जिसकी परीक्षा ली गई हो, जिसे जाँचा या आजमाया जा चुका हो 2. जिसका इम्तहान लिया गया हो, खरा 3. जिसके गुण आदि की जाँच या समीक्षा की गई हो जैसे-परीक्षित जल, परीक्षित औषधि 4. पुं. अभिमन्यु का पुत्र और अर्जुन का पौत्र, पांडुकुल के एक प्रसिद्ध राजा जिनकी मृत्यु सर्पराज तक्षक के काटने से हुई थी, इन्हीं के समय में कलियुग का प्रारंभ माना जाता है।

**परीक्षितव्य** वि. (तत्.) 1. परीक्षा करने योग्य, जिसकी जाँच की जा सके 2. जिसकी परीक्षा करना उचित हो/कर्तव्य हो/आवश्यक हो।

**परीक्ष्य** वि. (तत्.) 1. जिसकी परीक्षा की जा सके, परीक्षा के योग्य 2. जिसकी परीक्षा करना उचित हो।

**परीक्ष्यमाण** वि. (तत्.) परीक्षण संबंधी, वह जिसे परीक्षण विषयक माना या समझा जाए।

**परीखाना** पुं. (फा.) 1. परियों के रहने का स्थान 2. हसीनों का निवास स्थान।

**परीछम** पुं. (देश.) चाँदी का एक गहना जिसे स्त्रियाँ पैरों में पहनती हैं।

**परीजाद** पुं. (फा.) 1. अत्यधिक सुंदर, रूपवान 2. परी से पैदा हुआ, परी की संतान।

**परीजादी स्त्री.** (फा.) 1. परी के समान सुंदर, सुंदरी 2. परी-कन्या, परी-कन्या सी।

**परीणाह** पुं. (तत्.) 1. गाँव के चारों ओर छोड़ी गई सार्वजनिक भूमि 2. शिव 3. चौपड़ की गोट दाएँ-बाएँ, इधर-उधर चलाना 4. दे. परिणह।

**परीत** वि. (तत्.) 1. चक्कर देने वाला, कमाने वाला 2. बीता हुआ, गत 3. घेरने वाला 4. गृहीत 5. विपरीत, उल्टा पुं. प्रेत स्त्री. प्रीत।